द्वादश ज्योतिर्लिंग झाँकी दर्शनीय है- धरम लाल कौशिक

रायपुर। ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा शान्ति सरोवर में आयोजित द्वादश ज्योतिर्लिंगम् दर्शन कार्यक्रम का विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक, प्रमुख लोकायुक्त न्यायमूर्ति लालचन्द भादू और संस्थान की छत्तीसगढ़ क्षेत्र संचालिका ब्र.कु.कमला बहन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर शुभारम्भ किया।

रायपुर (छ.ग.): प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा शान्ति सरोवर में आयोजित द्वादश ज्योतिर्लिंग दर्शन झाँकी में 40 फीट ऊँचे शिवलिंग का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए विधानसभा अध्यक्ष माननीय धरम लाल कौशिक जी, प्रमुख लोकायुक्त न्यायमूर्ति लाल चन्द भादू जी एवं क्षेत्रीय प्रशासिका ब्रह्माकुमारी कमला बहन।

विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने कहा कि द्वादश ज्योतिर्लिंग झाँकी के माध्यम से प्रत्येक ज्योतिर्लिंग का महत्व एवं महिमा दर्शाते हुए संगीतमय प्रस्तुति सभी के लिए अत्यन्त दर्शनीय है। उन्होंने ब्रह्माकुमारी संस्थान के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि शिव भक्तों को एल.सी.डी. प्रोजेक्टर के माध्यम से जो उपयोगी जानकारी दी जा रही है, वह सराहनीय है। इससे भक्तों के मन में अध्यात्म के प्रति जागरूकता बढेगी।

इस अवसर पर प्रमुख लोकायुक्त न्यायमूर्ति लालचन्द भादू ने कहा कि द्वादश ज्योतिर्लिंग की झाँकी के आयोजन से भक्तगण न केवल बारह ज्योतिर्लिंग का दर्शन कर सकेंगे बल्कि आध्यात्मिक शिक्षा भी प्राप्त कर सकेंगे। एक ही जगह पर द्वादश ज्योतिर्लिंग को दिखाने का प्रयास सराहनीय है।

ब्र.कु.कमला बहन ने महाशिवरात्रि का आध्यात्मिक रहस्य बतलाते हुए कहा कि जब चारों ओर इस धरा पर अज्ञान अन्धकार छाया होता है और मनुष्यात्मायें काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार आदि विकारों के वशीभूत होकर दु:खी और अशान्त हो जाती है। तब ऐसे धर्मग्लानि के समय में मनुष्यों को निर्विकारी और पवित्र बनाने के लिए परमात्मा शिव का दिव्य अवतरण इस धरा होता है। वास्तव में महाशिवरात्रि का पर्व परमात्मा के दिव्य अवतरण की यादगार है। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान समय दुनिया में भौतिक प्रगति बहुत हुई है लेकिन जीवन में दु:ख और अशान्ति बढती जा रही है। सभी लोग चाहते हैं कि जीवन सुखमय बने और समाज में सदभावना हो लेकिन यह तभी सम्भव है, जबकि मन में सभी प्राणीमात्र के लिए शुभभावना और शुभकामना होगी। महाशिवरात्रि का आध्यात्मिक महत्व बतलाते हुए उन्होंने कहा कि शिवलिंग पर पानी मिश्रित दूध और दही की धार टपकाने का अभिप्राय है कि हम अपनी बुद्धि का योग सतत् रूप से परमात्मा से जोड कर रखें। बेलपत्र चढाने का तात्पर्य है कि परमात्मा के प्रति समर्पित भाव रखें। अक और धतूरे जैसे सुगन्ध रहित और काँटेदार फूल भेंट करने का रहस्य है कि हम अपनी काँटो समान बुराईयों और विकारों को परमात्मा को अर्पित कर निर्विकारी और पवित्र बनें। परमात्म अवतरण है ही नई सुख शांति की दुनिया सतयुग की रचना के लिए।

पालदा। महाशिवरात्रि पर्व पर आयोजित विशाल शोभायात्रा द्वारा जन-जन को शिव संदेश देते हुए ब्र.कु.सुमित्रा,ब्र.कु.कुसुम दीदी और कलश लिए हुए ब्र.कु.रीना साथ हैं ब्रह्माकुमार भाई-बहनें।

रानीबाग, इन्दौर। त्रिमूर्ति शिव जयंति पर शिवध्वजारोहण करते हुए सरपंच समुंदर सिंह पटेल, ट्रांसपोर्ट व्यवसायी हरमींदर सिंह भसीन, ब्र.कु.विमल, ब्र.कु.अनिता एवं ब्र.कु.भुवनेश्वरी

समाज का आधार स्तंभ है "सशक्त नारी"

वरदानी भवन, (इन्दौर)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय इन्दौर के छावनी सेवाकेन्द्र स्थित आध्यात्मिक शक्ति केन्द्र "वरदानी भवन" के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसका विषय था "समाज का आधार स्तंभ - सशक्त नारी"।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुये प्रमुख वक्ता प्रेमनगर सेवाकेंद्र प्रभारी ब्र.कु. शशि बहन ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज के समाज में अनेक रुढियां, कुरीतियां, रीतिरिवाज, साम्प्रदायिकता बढने लगी है और इस कुचक्र में नारी फंसती गई, नारी के अधोपतन से समाज का भी पतन होने लगा, क्योंकि वह परिवार की धूरी है और परिवार समाज की ईकाई है। माता संतान की प्रथम गुरू है। वह स्वयं यदि शिक्षित है, गुणवान है, समर्थ है, सशक्त है, आत्म बल आत्मसम्मान महसूस करती है तो वही संस्कार वो संतान को दती है। लेकिन वर्तमान समय में यह देखने में आ रहा है कि वह कर्तव्य निर्वहन करने में पूर्ण सक्षम नहीं है। आज पाश्चात्य संस्कृति, दूरदर्शन एवं अनेक व्यावसायिक चैनलों, पैसों की दौड़ आदि के प्रभाव से नारी आधुनिकता की लहर में अपने नैसर्गिक मूल्यों की अवहेलना कर रही है। इसका प्रभाव समाज पर दिखाई दे रहा है। फलस्वरूप नारी के प्रति अपराध जैसी समस्याओं में वृद्धी हुई है और बच्चों को भी श्रेष्ठ संस्कार नहीं मिल पा रहे है। अत: आज आवश्यकता है कि हम पुन: इस महान विरासत की रक्षा करें। संस्कृति एवं संस्कारों की रक्षा करें, इसके लिये नारी को शक्ति स्वरुप बनना होगा। स्वयं को सुयोग संस्कारी बनाना होगा।

इस संगोष्ठि में विशेष रुप से म.प्र. महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष डॉ. सविता इनामदार, लाइनेस डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट श्रीमती मन्दा विलकर, लाइनेस कुसुम तिवारी, लाइनेस जिला सचिव परतिक्षा खांडवे, इंदौर प्रीमियम क्लब की अध्यक्षा सुशीला व्यास वक्ता के रुप में उपस्थित थी।

डॉ सविता इनामदार ने अपने उद्बोधन में कहा कि महिलाओं को आर्थिक, सामाजिक और प्रशासनिक रूप स सशक्त बनना होगा। महिला सशक्तिकरण का मतलब यह नहीं कि हम अपने अधिकारों का दुरुपयोग करें। बल्कि अपने कर्त्तव्यों के प्रति सजग रहें। समाज में परिवर्तन के लिए हमें हर काम में सबका सहयोगी बनना होगा।

लाइनेस श्रीमति विलकर ने अपने उद्बोधन में कहा कि यदि हम अपने भूतकाल में जाते हैं तो नारी शक्ति के रुप में पूजी जाती थी। लेकिन समय के चलते वही नारी देवी से भोग के रुप में पहचानी जाने लगी। अभी हमें जरुरत है अपनी सोंच बदलने की, विचारों में परिवर्तन की और अपनी शक्ति को पहचानने की। और ब्रह्माकुमारीज़ के द्वारा किए जाने वाले कार्यो कि सराहना करते हुए आपने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था की विश्व भर में बागडोर महिलाओं के हाथों में ही है। यह बहनें विश्व मे नैतिक और आध्यात्मिकता का परचम फहराकर राजयोग बल द्वारा नारी को सशक्त कर रही हैं। यह संस्था समाज के आधार स्तम्भ का कार्य कर रही है यह भारत देश के लिए बड़े ही गर्व की बात है।

महिला प्रभाग की क्षेत्रीय समन्वयक ब्रह्माकुमारी सुमित्रा ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारी सेवाकेन्द्रों पर दी जाने वाली राजयोग की शिक्षा से हम सहज तनावमुक्त होकर मानसिक एवं आध्यात्मिक रुप से सहज ही सशक्त बन सकते हैं।

झालरापाटन। किसान सम्मेलन में जनसमूह को संबोधित करते हुए ब्र.कु.वीणा बहन।

बिलासपुर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए ब्र.कु.मंजू। साथ हैं बंगाली लेडिस क्लब की अध्यक्ष शिवानी बोस, शिवानी शर्मा तथा ब्र.कु. विनीता भावनानी।

क्षिप्रा। महाशिवरात्री के पावन पर्व पर निकाली गई रैली का दृश्य

रतलाम। महाशिवरात्रि पर्व पर आयोजित शोभायात्रा का शुभारंभ करते हुए नगर निगम अध्यक्ष दिनेश पोरवाल एवं भाजपा जिला अध्यक्ष बजरंग पुरोहित एवं समाजसेवी राजेंद्र पोरवाल